

राजस्थान सरकार
राजस्व ग्रुप-६ विभाग

मोड़:- १०४ राज-६/२००५ / २०

जयगुर, दिनांक:- ८.८.२००५

अधिकृत
=====

राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, १९५६ § १९५६ का अधिनियम संख्या १५६ की धारा २६० की उआधाराई के छाड़ियों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार एतदहारा यह निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम के अध्याय १० तथा राजस्थान भू-राजस्व § भुगतान, जमा, वासमान एवं वसूलों नियम १९५८ के अधीन जिला कलेक्टर द्वारा अधिरोपित कर्तव्यों का पालन तथा उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग, जिला एवं दो ऐसे जार्यरत अतिरिक्त मुद्र्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा उनको अधिकारिता देव के भास्तर, राज० अंचायतों राज अधिनियम १९९४ के अन्तर्गत बनाया राशि वसूले हेतु किया जावेगा।

राज्यालय के आदेश से

शासन उा सचिव

उत्तिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु देखित है:-

१. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री महोदया।
२. विशिष्ठ सहायक, राजस्व मंत्री महोदय।
३. निजी सचिव, मुख्य सचिव।
४. निजी सचिव, उमुख शासन सचिव/शासन सचिव, राजस्व
५. निजी सचिव, उमुख शासन सचिव, अंचायतों राज विभाग
६. समस्त सभारीय आयुका, राज०।
७. समस्त जिला कलेक्टर, राज०।
८. निदेशक, केन्द्रीय बुद्धिमत्त जयपुरखोराज०उत्र के क्रियोगक दिन ८.८.२००५ में दुकाइमार्थ।
९. निबंधक, राजस्व मण्डल, अमेर।
१०. अंचायतों राज विभाग, जयगुर।
११. राजिरा, राजस्व मण्डल, अमेर।
१२. समस्त उा शासन सचिव, राजस्व विभाग।
१३. अतिनिबंधक, राजस्व मण्डल, अंचित्त एवं लेपा० अमेर।
१४. रक्षित ग्रामवाही।

शासन उा सचिव